What is Arya Samaj?

Arya Samaj, founded by Maharshi Dayanand Saraswati, is an institution based on the Vedas for the welfare of universe. It propagates universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 37	11/2015-16	MONTHLY	May 2015

- **Vedic Vivah Mela**

(Matrimonial get together)

Saturday 30th May 2015.

Register NOW for a place!

(See pages 20, 21 for detailed information)

ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS
(Charity Registration No. 1156785)
188 INKERMAN STREET (|OFF ERSKINE STREET),
NECHELLS, BIRMINGHAM B7 4SA
TEL: 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org Website: www.arya-samaj.org

CONTENTS

The 10 Principles of Arya Samaj		**3**
Looking for Generous Donors	**Krishan Chopra**	**4**
अध्यात्म के शिखर पर-२०	**आचार्य डॉ. उमेश यादव**	**6**
Hall Hire Advert		**8**
आठवाँ चूड़ाकर्म सँस्कार	**आचार्य डॉ. उमेश यादव**	**9**
Dayanand Anglo Vidyalaya (DAV) In Birmingham		**14**
Cost for our services		**16**
Vichar Gyan Pravah		**17**
Matrimonial Advert		**18**
Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)		**19**
Vedic Vivah Mela (Matrmonial Get Together) 2015		**20**
Donation Boxes - Kind request notice		**22**
News (पारिवारिक समाचार)		**23**

For General and Matrimonial Enquiries
Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm. Bank Holidays – Closed
Tel. 0121 359 7727 E-mail- enquiries@arya-samaj.org

10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.**

2. **God is existent, formless and unchangeable. He is incomparable, omnisicient, unborn, endless, just, pure, merciful, beginningless, omnipotent, the support and master of all, omnipresent, unageing, immortal, fearless, eternal, and holy, and the creator of the universe. To him alone is worship due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is the paramount duty of all Aryas to read them, teach and recite them to others and hear them being read.**

4. **All persons should always be ready to accept the truth and to give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma, i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of the Arya Samaj is to do good to the whole World i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All ought to be treated with love, justice, and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (vidya) and dispel ignorance (avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone, but Should look for one's welfare in the welfare of all.**

10. **In matters which affect the well-being of all people the individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority; in matters that affect him alone he is free to exercise his human rights**

Looking for Generous Donors

यं याचाम्यहं वाचा सरस्वत्या मनोयुजा ।
श्रद्धा तमद्य विन्दतु दत्ता सोमेन बभ्रुणा ॥ अथर्व वेद ५.७.५

Yam yaacamyaham vaca sarasvatyaa manoyuja l
Sraddha tamadya vindatu datta somena babhruna ll

Arthrva Veda 5.7.5

Meaning in Text Order

yam = from whom, yacami = ask for, aham = I , vaca = through speech, sarasvatya = through sarasvati (the knowledge examined through science) manoyuja = by sincerity of mind, sraddha = faith, tam = that , adya = to-day, vindatu = attain, datta= bestowed, somena = blissful Lord, babhruna = granter of divine qualities.

Meaning

When I ask for charity, I ask with the sincerity of my mind through the purity of my speech. May the blissful Lord, source of nourishment bless the donor with faith (sraddha) to-day.

Contemplation

In general, people are only concerned about themselves. They see the misery of others and turn a blind eye. In this mantra there is the

mention of those people who feel in their hearts the miseries of others and put their own problems aside and with determination engage themselves into remove the sufferings of others. For such institutions, the help of donors and people of charitable disposition are vital. These dedicated people take the begging bowl in their hands too look for true and faithful donors.

They are begging for the needy, destitute, the deprived, orphans, widows and the disabled. In addition they beg for those who are affected by famine, flood or natural disasters. There are people who ask for donations for the sake of education. They ask for different causes to serve humanity. They are asking to heal the sufferings of others.

Begging for others and for noble causes is not an easy task. Look at the courage and dedication of these people. These people come out in society by sacrificing their own comforts. To serve others and to feel the pain of others needs a generous heart.
These people are not ordinary beggars. Their fundamental quality is, not only that they protect their own dignity but safeguard the dignity of the donor as well. When they are requesting according to the mantra, the **sarasvati** comes out of their speech which inspires the donor to a spirit of generosity. Donations given without faith destroys the noble cause. Pure charity is that which is given with the feeling of purity, with faith and consideration of the deserving person their worthiness. Donation without faith, with motives that hurt the dignity of others does not bear fruit.

May the Almighty Lord inspire every one to be charitable and fill their hearts with noble qualities. Bestow the spirit of faith in generosity. This is our prayer.

By Krishan Chopra

अध्यात्म के शिखर पर-२०

आचार्य डॉ. उमेश यादव

ईश्वर-जीव में एकता-अनेकता विचार:- ईश्वर और जीव को अलग-अलग हम कैसे समझें- हमें इसके लिये यह जानना होगा कि बहुत ऐसे विन्दु हैं जो दोनों में सामान्य (कॉमन) हैं और कुछ विभिन्न भी । जो-जो दोनों में समान हैं उन-उन दृष्टि से दोनों में एकता और जो-जो विन्दु दोनों में भिन्न हैं उस आधार पर दोनों में अनेकता जानें । यह निर्णय हम दोनों के गुण-कर्म-स्वभाव के आधार पर ही कर सकते हैं । इसके लिये हम यह विवरण देखें ।

ईश्वर	जीव	
एक है	अनेक हैं	अनेकता
चेतन	चेतन	एकता
ज्ञानवान्	ज्ञानवान्	एकता
अनन्त ज्ञान	अल्प ज्ञान	अनेकता
सृष्टि कर्त्ता	सृष्टि भोक्ता	अनेकता
निमित्त कारण	साधारण कारण	अनेकता
सत्-चित्-आनन्दस्वरुप	केवल सत्-चित्	अनेकता
सूक्ष्मतम	सूक्ष्मतर	अनेकता
न्यायकर्त्ता	न्यायकर्त्ता	एकता
दयालु	दयालु	एकता
न्यायकर्त्ता	कर्त्ता/भोक्ता	अनेकता

अभोक्ता/द्रष्टा	**भोक्ता**	**अनेकता**
सगुण/निर्गुण	**सगुण/निर्गुण**	**एकता**
निराकार	**निराकार**	**एकता**
अशरीरधारी	**शरीरधारी**	**अनेकता**
नित्य	**नित्य**	**एकता**
गुणवान	**गुणवान**	**एकता**
सर्वशक्तिमान्	**अल्पशक्तिमान्**	**अनेकता**
सर्वव्यापक	**एकदेशी**	**अनेकता**
सर्वान्तर्यामी	**अल्पज्ञानी**	**अनेकता**
अजर	**अजर**	**एकता**
अमर	**अमर**	**एकता**

इस प्रकार हम जो वेद, दर्शन, उपनिषद् आदि वैदिक आर्ष ग्रन्थों में वर्णित विचार पाते हैं, उसके आधार पर ही ईश्वर और जीव को अलग-अलग समझ सकते हैं । यह सब कुछ होकर भी दोनों ओतप्रोत भाव से एक साथ रहते हैं । स्थान व काल की दृष्टि से दोनों में कोई भिन्नता नहीं है । पर ज्ञान की दृष्टि से दोनों भिन्न हैं । ईश्वर अनन्त ज्ञान वाला तो जीव अल्पज्ञान वाला । ईश्वर स्व सत्ता में आनन्दस्वरुप है तो जीव आनन्द की खोज में रहता है । यही कारण है कि जीव शरीर में रहकर सदा पुण्य कर्म करता हुआ आगे बढ़ता हुआ ही आनन्द को पाने के लिये ईश्वर को पाना चाहता है । ज्ञान-कर्म-उपासना की प्रबलता से ही यह सम्भव है ।

Arya Samaj (West Midlands)

Hall Hire

Perfect venue for –

- **Engagements**
- **Religious Ceremonies**
- **Community events**
- **Family parties**
- **Meetings**

Venue information –

- **£300 for 6 hours (min.)**
- **£50 Hourly**
- **Main Hall with Stage**
- **Dining hall**
- **Kitchen**
- **Cleaning**
- **Small meeting room**
- **Vegetarian ONLY**
- **NO Alcohol**
- **Free parking**

For more informatiom call us on
0121 359 7727
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm Bank Holidays – Closed

आठवाँ चूडाकर्म सँस्कार

आचार्य डॉ. उमेश यादव

सँस्कारों में यह आठवाँ सँस्कार है । इसे ही केश-छेदन, मुण्डण, चूडाकरण, केश-वपन, चौल आदि अनेक नामों से जाना जाता है । पर इसका प्रसिद्ध नाम मुण्डण है । वस्तुत: चूडा शिखर या चोटी को कहते हैं और मस्तिष्क का स्थान खोपड़ी का वीच ऊपर कोमल भाग होता है । चोटी रखने से उस कोमल भाग मस्तिष्क की रक्षा होती है । चूडा चूड़ा एक ही है । कहीं-कहीं इसे चूड़ा कर्म भी कहा जाता है । बालों से सम्बन्धित कर्म ही चूडा कर्म है जिसे मुण्डण कहा जाता है ।

इस सँस्कार को १वर्ष में या ३सरे वर्ष में या जब अच्छा लगे तब ही करना होता है । जब भी करें तो यह देखें कि उत्तरायण काल शुक्ल पक्ष में जो आपके अनुकूल आनन्द मँगल दिन लगे; उस दिन ही कर लें या कोई अन्य दिन ही आपको अनुकूल पड़े तो उस दिन कर लें पर सँस्कार करें अत्यन्त श्रद्धा व प्रसन्नता पूर्वक-म.द. सँस्कार विधि ।

हमें यह जानना चाहिये कि बच्चे के शिर में बाल गर्भ में ही आ जाते हैं अत: जन्म के बाद गर्भ का बाल जब एक-दो बार उतर जाता है तो उनकी जड़ें और मजबूत हो जाती हैं । चोटी रखने से मस्तिष्क का कोमल हिस्सा सुरक्षित हो जाता है । जब वह कोमल हिस्सा भी कालान्तर में मजबूत हो जाये, तब वहाँ का बाल भी कुछ एक बार उस्तरे से काट दें ताकि वहाँ की जड़ें भी मजबूत हो जायें । फिर विधिवत् अपनी रूचि के अनुसार चोटी भी रख सकते हैं । चोटी रखना धर्म का आन्तरिक लक्षण नहीं अपितु बाह्य लक्षण है । यह एक समझ है । मस्तिष्क भाग मजबूत हो जाने पर चोटी रखें या न रखें यह आपकी समझ और सँस्कार पर निर्भर करता है । पर यह निश्चित बात है कि चोटी मस्तिष्क भाग की रक्षा में सहायक अवश्य है । यह

गर्मी-सर्दी में भी मस्तिषक-हिस्सा को संतुलित रखने में सहायक है । बालों की जड़ों को मजबूत बनाने हेतु प्रारम्भ में ही थोड़े-थोड़े बाल उग आने पर दो-तीन बार न्यून्तम उस्तरे से बाल उतार देने चाहिये । इससे सारी जड़े अच्छी मजबूत हो जाती हैं, सिर हल्का हो जाता है और सिर की गर्मी भी ऐसा करने से निकल जाती है । सिर स्वस्थ व निरोग हो जाता है और भविष्य में भी अधिकाधिक यह स्वस्थ रहता है । सिर दर्द, खाज-खुजली, सिर-गर्मी आदि से वचाव हो जाता है । अगर कोई बिमारी आती भी है तो इलाज सरल हो जाता है क्योंकि बिमारी कम प्रभाव डाल पाती है । बाद में बाल भी लम्बे और सुन्दर आने लगते हैं । इस प्रकार मुण्डण सँस्कार रोग-निवृत्ति, आयु-वृद्धि, शारीरिक पुष्टि आदि कारणों से अत्यन्त सार्थक है ।

विशेष ज्ञान-

१. हम जानते हैं कि सिर मस्तिष्क का आवास है । सभी ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियाँ मस्तिष्क से ही अनुशासित हैं । मस्तिष्क की "संधि" जो खोपड़ी में है (सीमन्तोन्नयन सँस्कार की व्याख्या देखें) इसका विकास लगभग तीन सालों में पूर्ण हो पाता है । उपर्युक्त काल में मस्तिष्क की सारी संधियाँ लगभग मजबूत हो जाती है । इस कारण तीसरे साल बाल कटवाना अधिक उचित है । तीन साल तक या जब तक पहला बाल नहीं उतरता तब तक गर्भ का बाल ही उन संधियों की रक्षा करता है ।

२. दाँत निकलने से इसका सम्बन्ध- हम देखते हैं कि वच्चे का जब दाँत निकलना प्रारम्भ होता है तब अनेक प्रतिक्रियायें होती दीखती हैं । जैसे- मसूढ़े सूज जाना, मुंह से लार का बहना, आँखें आ जाना, बच्चे में चिड़चिड़ाहट पैदा होना आदि । ऐसी अवस्था में सिर पर बाल होना उचित नहीं है । बाल के उतर जाने पर ही बच्चा इन

सभी अवस्थाओं में स्वास्थ्य लाभ करता है । साथ ही बाल कटने पर पुष्ट बाल भी आते हैं । आगे इस सँस्कार की मुख्य विधियों से कुछ विशेष जाने ।

१. चावल -जौ-तिल-उडद (अन्न का प्रयोग)- प्रारम्भ में ही इन चार प्रकार के अन्न को चार सरावों (कोई पात्र कटोरी आदि) में चार कोणों पर रखना लिखा है । सँस्कार के अन्त में इन अन्नों को नाई को दे देने हेतु लिखा गया है । यह मानो नाई के लिये दक्षिणा वा आदर भाव है । अन्न दान पुण्य दायक होता है ; उससे भोजन का निर्माण होता है । दक्षिणा में जहाँ धन राशि दी जाती है वहीं अन्न, वस्त्र वा अन्य उपयोगी वस्तुओं का आदरपूर्वक दान देना भी पुण्य दायक माना जाता है । पर आज कल नाई हो या पुरोहित सबके लिये धन राशि की दक्षिणा देना सबके लिये आसान सा बन गया है । यह देश-काल-परिस्थिति पर निर्भर है; जहाँ पर जो सुविधा है वहाँ वैसा ही कर दिया जाता है । यह प्रचलन पर भी आधारित है । जहाँ जैसा प्रचलन है, वहाँ वैसा किया जाता है । मुख्य उद्देश्य है कि सँस्कार में पधारे मेहमानों की यथायोग्य आदर पूर्वक विदाई देनी है । नाई या पुरोहित दक्षिणा ग्राही होते हैं इस कारण उन्हें यथायोग्य दक्षिणा स्वरुप अन्न, वस्त्र, वर्त्तन वा अन्य वस्तु, धन राशि आदि देकर उनका सत्कार किया जाता है । आज भी विभिन्न वस्तुओं की दक्षिणा देने का रिवाज यत्र-तत्र प्रचलित मिलता है ।

२. गिरे बालों को चुनना- गिरे बालों को उठाने हेतु थोड़ा सा गाय-गोबर का प्रयोग लिखा है । ग्रामीण वातावरण में गाय का गोबर आसानी से उपलब्ध होता था । गिले गोबर का गोला बनाकर उससे बिखरे बालों को आसानी से एकत्रित किया जा सकता है ।
गोबर में बाल सटकर सरलता से अलग हो जाते हैं । प्रयोग के बाद बाल समेत गोबर को नजदीक नदी-तट या जंगल में जाकर मिट् टी में दबाने का आदेश है

जिससे सफाई बनी रहे । पर विचारणीय है कि आजकल देश-काल-परिस्थिति में काफी परिवर्त्तन आ चुका है । गोबर को सफाई या उसकी दुर्गन्ध आदि को ध्यान में रखकर नहीं पसन्द किया जाता है । कई वार सिर में गलती से कट लग जाने से खून निकलने लगता है और ऐसी स्थिति में गोबर की वैक्ट्रिया से घाव पकने का डर बन सकता है । इस कारण अब काफी स्थानों पर अध कच्ची रोटी पर ठोस बाल रखते हैं और गिरे बालों को गूँदे आंटा से चुन लेते हैं । भारत के पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, दिल्ली, जम्मू, राजस्थान आदि क्षेत्रों में प्राय: गोबर की जगह आँटे का ही प्रयोग होने लगा है । समय के परिवर्त्तन से यह स्वीकार्य्य है । कई बच्चों को गोबर से एलर्जी (प्रतिक्रिया) भी सम्भावित है । सुविधा व सुरक्षा की सर्वत्र प्रधान रुप से प्राथमिकता है ।

३. उस्तरे को खौलते गर्म पानी में कुछ देर रखना- नाई जिस उस्तरे से बाल काटता है उसको पहले खौलते पानी में कुछ देर रख छोड़ता है । ऐसा करने से उस्तरा साफ हो जाता है । उसमें लगा दाग, किटाणु या पूर्व का कोई मैल आदि सब साफ होकर वह प्रयोग के लायक हो जाता है ।

४. बाल काटने में दर्भ (एक प्रकार का घास)- सँस्कार विधि के अनुसार सिर के पाँच भागों से बालों को इकट् ठा करके दर्भगुच्छे को इकट् ठा किये बालों के जड़ के साथ लगाकर दर्भ समेत बाल को कैंची से काटना । दर्भ लगाकर बाल के जड़ों को सावधानी पूर्वक काटने में मदद मिलती है । सिर में चमड़ी को सुरक्षित रखने में सहायता मिलती है । यह प्रक्रिया बालक के पिता द्वारा की जाती है । दो बार बायीं ओर से, दो बार दायीं ओर से और एक बार वीच के भाग से इन ५ भागों से बाल को काटा जाता है । यह इस लिये कि खोपड़ी में ५ संधियाँ (योग) होती हैं । यह प्रक्रिया पुरोहित के निर्देशन में मंत्रपूर्वक करवायी जाती है । इन मंत्रों में

मस्तिष्क विकास का भाव दर्शाया गया है । इसके बाद पिता मंत्रपूर्वक बच्चे को नाई को सौंप देता है यह कहकर कि वह वच्चे के पूर्ण बाल को सावधानी से काटे । अनुभवी नाई उस्तरे से फिर सम्पूर्ण बालों को विना किसी कट के काट देता है । पिता को दर्भ इसलिये भी चाहिये था कि वह बाल काटने में अनुभवी नहीं है । कट लगने से दर्भ बचाता है । पर नाई को ऐसा कोई दर्भ आदि साधन नहीं चाहिये क्योंकि वह इस कार्य में अत्यन्त अनुभवी है । यह भी विचार योग्य है कि सभी स्थानों पर दर्भ नहीं मिलता फलत: पुरोहित सुविधा के अनुसार बालों को धागों से बाँध कर पिता द्वारा पहली प्रक्रिया करवा लेते हैं । इसमें कोई बाधा नहीं है । देश-काल-परिस्थिति में ऐसा परिवर्त्तन प्रयोग स्वीकार्य है ।

५. यहाँ यह भी विचारणीय बात है कि महर्षि दयानन्द ने बालक हो या बालिका सबका समान अधिकार व सम्मान के साथ यह सँस्कार करना उचित है । केवल यही नहीं वल्कि सारे सँस्कार दोनों के लिये विना किसी भेद-भाव के करना अभिध्येय है । निस्संदेह महर्षि दयानन्द ने लड़का-लड़की में लिंग-भेद न करके सबके लिये समान मर्यादा बताकर आर्य सँस्कृति का गौरव बढ़ा दिया है । समतावादी का यह सर्वोत्तम उदाहरण है ।

६. अन्त में बालक के सिर पर दही या मलाई मलकर उसे नहा कर स्वच्छ नये वस्त्र पहनाकर वेदी में पुन: बैठाया जाता है और उसे पुरोहित के निर्देशन में विधिवत् आशीर्वाद दिया जाता है । सिर धोने में दही व मलाई का प्रयोग उचित माना जाता है । यह बाल कटे सिर के लिये ऐंटिसेप्टिक का काम करता है । जन्म के मल को भी बालों के जड़ों से बाहर निकाल देता है । इस प्रकार आशीर्वाद के बाद व्यवस्थानुसार भोजन आदि का औचित्य निभाकर आये सब मेहमानों की आदरपूर्वक विदाई की जाती है । यह एक अच्छी सामाजिकता का प्रतीक है ।

Dayanand Anglo Vidyalaya (DAV) In Birmingham

We celebrated Arya Samaj Foundation day in Arya Samaj West Midlands on 12th April 2015.

Swami Maharish Dayanand Saraswati laid the foundation of Arya Samaj on 10th April 1875 in Bombay, India. There were 100 members of this Samaj including Swami Dayanand.

Swami ji arrived in Lahore on 19th April 1877 and laid the foundation of Arya Samaj Lahore on 24th June 1877. While at Lahore Swami ji wrote 10 Principles of Arya Samaj to replace 28 principles written in Bombay.

The 8th Principle of Arya Samaj states "We should all promote knowledge and dispel ignorance." Arya Samaji people, wherever they are, have been actively promoting education in the world.

The members of the Board of Trustees have been working hard to open a DAV school in Birmingham for 4 to 11 years age children in Handsworth area of Birmingham.

The Vision of DAV School –

1. **We want parents to be able to send their children for high quality education at our school called Dayanand Anglo Vidyalaya (DAV) for FREE.**

2. **Our school will follow the National curriculum and prepare children for 11plus entrance examinations into good secondary schools.**

3. **We want children attending our school to learn about British values and develop a respect for teachers, parents and all others in society.**

4. **The children attending our school will be taught about all prevailing religions in the UK, but there will be an extra emphasis on teaching about Hindu (Vedic) way of life.**

5. **Our school will accept children from 4 years age to 11 years age to begin with. We will try our best to keep an optimum class size as is feasible so that each child gets the necessary attention of the class teacher.**

6. **Our school will aim for each child to reach his/her full potential and aspire for higher education.**

It is our sincere request to parents with 1 to 3 years old children to get in touch with Arya Samaj West Midlands in order to fill in "School support survey" to show their support for our school. Your support for our school will be much appreciated.

Dr. Narendra Kumar
Chairman
The Board of Trustees
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Cost for our services

- Ordinary membership for Arya Samaj - £20 for 12 months.
- Hire of our hall £300 for 6 hours & there after £50 hourly.
- Matrimonial service - £90 for 12 months.
- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest will be £51.

VICHAR GYAN PRAVAH

On

Astha TV
Sky Channel 837

At

9.30pm
Every evening

20minutes talk
by a learned Vedic Scholar.

VEDIC VIVAH (MATRIMONIAL) SERVICE

The vedic vivah (matrimonial) service has been running for over 30 years at Arya Samaj (West Midland) with professional members from all over the UK.

Join today.....

Application form and information can be found on the website

www.arya-samaj.org

Or

Call us on

0121 359 7727

Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed

Notices for Vedic Vivah Service (matrimonial)

- Matrimonial service charge - £90 for 12 months

- **Vedic Vivah Mela (Matrimonial get together) Saturday 30th May 2015. Register NOW for a place! (See pages 20, 21 for detailed information.)**

- Please note that Arya Samaj Birmingham and Arya Samaj London are not linked. We both have our **OWN** Matrimonial list and all events are organized **separately.**

- Please note in every issue of Aryan Voice, if anyone that has a * asterisk at the end of there Job, **ONLY** wants to marry in there own caste. Eg

B4745 Hindu Brahmin Boy 26 5 ' 7" Chartered Accountancy*

- All members' records have not been changed yet, as we are still waiting on caste forms, please keep checking this information every issue before you call.

- If you would like to add your caste to your record or state if you only want to marry in caste. Please e-mail or call us, so we can update your record.

- Everymonth in matrimonial list please check whole list, as members that have been deleted, may renew again months later and are being missed, as they take there place on the list depending on ref number order.

- Please inform us when your son or daughter is engaged or married, so we can remove their detail from the list.

VEDIC VIVAH MELA (Matrmonial Get Together) 2015

Date: Saturday 30th May 2015

Venue: Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells, Birmingham B7 4SA (Road Map available on our Website) www.arya-samaj.org

Time: 11.30am – 5pm

Cost: £25.00 per applicant. **NO GUESTS**

Buffet: Vegetarian meal included with soft drinks (no alcohol will be allowed or served)

How will it work?

We will have registration, welcome drink, light snacks and mingling.

Speed dating - Members will meet each other for a period of 3 to 4 minutes, during which you will be able to chat and find out about each other. (If you like the person, make a note of their ref number on the packs given on the day and we will send you there information by email). When the time is up, a bell will sound; you will change partner and repeat the process.

Once the speed dating is over, late lunch will be served and everyone is free to mingle some more before the end of the event.

We will explain the above and other details of the event on the day.

What you need to do now?

This Get-together is strictly for Arya samaj west Midlands registered matrimonial service candidates only. So if you are not registered as yet and wish to benefit from this event where you can meet personally a number of prospective partners hurry up and join. Forms are available on our website www.arya-samaj.org. Or tel. 0121 359 7727

This time we have decided to limit the number of participants, so please send your application forms well before the day of the event because it is first come first served basis. (Form can be found on website or by calling the office). **We would also like to have age groups 18-35 & 35-50, but this can only happen if you put your name down ASAP, if we feel there is not enough of your age group you will get a full refund.** For the smooth running of the event, all the information must be processed and the paper work completed for the participants on their arrival. Applications received after **25th May 2015**, would not be entertained. But please do not wait till the last date. It might be too late.

Sorry at this event we are not allowing guest. If you bring someone with you on the day they will be refused entry.

Please send application forms and cheques made payable to 'Arya Samaj West Midlands**. (Applicants £25)** with a self addressed stamped envelope to Arya Samaj West Midlands, Erskine Street, Nechells, Birmingham B7 4SA .You will be sent confirmation by post and email. You will have to bring this with you on the day or no entry will be allowed. Regrettably no entry will be available on the day, so please register in advance.. **If you come on the day without an entry confirmation it would be a wasted journey.**

So what are you waiting for? Look no further and think no further! Send in your application forms and cheque today!
We look forward to welcoming you to the event where you have the prospect of meeting that special SOMEONE!!

Donation Boxes -

Kind request notice

Dear All Arya Samaj and Matrimonial Members.

Last year we sent out donation boxes to each member for you to fill up with loose change.

We request kindly, that if you have filled up these boxes please send them in to Arya Samaj or deposit the money in to our account. All information is on the box.

Thank you to all members who have aready fill their boxes and returned them to us.

If you would like a new box please contact the office on 0121 - 359 7727 and we will send you one.

If you haven't used your box, please do so, as all donations are appreciated and help your chairty.

We count on our member's support

Thank you in advance for your support and generosity

News

Condolence:

- **Mrs. Gargi Khosla (London) - for loss of her beloved husband Mr. Ravi Khosla; a life member of Arya Samaj WM. May the departed soul rest in peace and give strength to every family member to bear the loss.**

Donations to Arya Samaj West Midlands

- **Mr. Shailesh Joshi for Rishi Langar £101.25**
- **Mr. S.P. Gupta - Donation-Box £11**
- **Dr Amit Rastogi - Donation-Box £25.62**
- **Mr. Vinay Kumar & Neena Kumar (Leicester) for Rishi-Langar & Donation Yajman on 29.03.2015 to bless their baby son on his naming ceremony. £351**

Donations to Arya Samaj through Priest Services.

- **Mr. Surender Jasal & Mrs. Prem Jasal - Shanti Havan in memory of their late parents £50**
- **Mr. Rajiv & Mrs. Shalini Agarwal – Havan in their new house £51**
- **Mr. Sumit Puri (Mansfield) - Grih Pravesh Havan £101**
- **Mr. Harjit & Mrs. Mamta Saini – Birthday celebration of daughter Sia £100**
- **Mr. Rajender Kumar (Coventry) - Shanti Havan to pray for eternal peace to his late wife Mrs. Krishna Kumari £51**

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information on

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**

- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**

- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**

- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**

- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 3rd May 2015 & 7th June 2015.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org